

ओणम के रंग

कहानी का सारांश

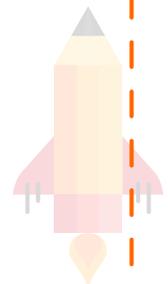
'ओणम' केरल का एक प्रसिद्ध और महत्वपूर्ण त्योहार है, जिसे बड़े हर्षोल्लास से मनाया जाता है। यह त्योहार खेतों में नई फसल के आगमन और समृद्धि का प्रतीक है। इस अवसर पर लोग अपने घरों और आँगनों को फूलों की सुंदर रंगोली (पूक्कलम) से सजाते हैं। हर घर में तरह-तरह के स्वादिष्ट व्यंजन बनाए जाते हैं और समाज के सभी वर्गों के लोग मिल-जुलकर इस पर्व का आनंद लेते हैं।

ओणम का त्योहार राजा महाबली की याद में मनाया जाता है। महाबली एक आदर्श और प्रजाप्रिय राजा थे जिनके शासन में सभी लोग सुखी और समृद्ध थे। देवताओं के आग्रह पर भगवान विष्णु ने वामन अवतार लेकर महाबली से तीन पग भूमि माँगी और उन्हें पाताल लोक भेज दिया। लेकिन महाबली को यह वरदान मिला कि वह हर वर्ष अपनी प्रजा से मिलने धरती पर आ सकते हैं। ओणम उसी आगमन की खुशी में मनाया जाता है।

पाठ में प्रकृति के उल्लासपूर्ण रूप का भी सुंदर वर्णन किया गया है। बारिश के बाद चारों ओर हरियाली छा जाती है, फूल खिलते हैं, और वातावरण में उत्सव का माहौल बन जाता है। यह त्योहार मिल-जुलकर, प्रेम और उल्लास के साथ मनाने का संदेश देता है।

नए शब्द

त्योहार	:-	पर्व, उत्सव
प्राकृतिक	:-	नैसर्गिक, स्वाभाविक
सुंदर	:-	मनोहर, आकर्षक, रमणीय
राजा	:-	नरेश, भूपति, सम्राट
प्रजा	:-	जनता, नागरिक
वर्षा	:-	बारिश, मेघवर्षा
पाताल	:-	अधोलोक, रसातल
भूमि	:-	धरती, जमीन, पृथ्वी
नौका	:-	नाव, डोंगी
भोज	:-	दावत, प्रीतिभोज
मूर्ति	:-	प्रतिमा, विग्रह
स्वागत	:-	अभिवादन, आदर
खिलखिलाना	:-	हँसना, मुस्कुराना
चमकना	:-	दमकना, झिलमिलाना
हवाएँ	:-	पवन, वायु





बातचीत के लिए

1. ओणम का त्योहार कब मनाया जाता है?

उत्तर: ओणम का त्योहार श्रावण महीने के श्रावण नक्षत्र के दिन मनाया जाता है।

2. ओणम का त्योहार किस पौराणिक कथा पर आधारित है?

उत्तर: ओणम का त्योहार राजा महाबली और भगवान विष्णु के वामन अवतार की पौराणिक कथा पर आधारित है।

3. आप कौन-कौन से त्योहार मनाते हैं?

उत्तर: मैं दीपावली, होली, रक्षाबंधन, दशहरा, जन्माष्टमी और गणेश चतुर्थी जैसे त्योहार मनाता/मनाती हूँ।

4. आपको कौन-सा त्योहार सबसे अधिक अच्छा लगता है और क्यों?

उत्तर: मुझे दीपावली का त्योहार सबसे अधिक अच्छा लगता है क्योंकि इस दिन घर को दीपों और रंगोलियों से सजाया जाता है, मिठाइयाँ बाँटी जाती हैं और चारों ओर खुशी का माहौल होता है।

5. त्योहार वाले दिन आप क्या-क्या करते हैं?

उत्तर: त्योहार के दिन, मैं सुबह जल्दी उठकर नहाता/नहाती हूँ, नए कपड़े पहनता/पहनती हूँ, और घर की सफाई व सजावट में भाग लेता/लेती हूँ। फिर मैं मिठाइयाँ बनाता/बनाती हूँ और परिवार तथा मित्रों के साथ मिलकर पूजा और उत्सव मनाता/मनाती हूँ।



पाठ के भीतर

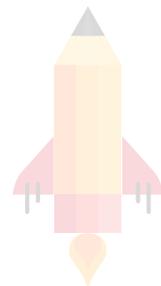
1. प्रश्नों के सटीक उत्तर के सामने सूरज का चित्र (☀) बनाइए -

(क) बच्चों की किन गतिविधियों से पता चलता है कि ओणम का त्योहार आरंभ हो गया है?

- बच्चे सुबह-सुबह नहा-धो लेते हैं।
- बच्चे उपज की कटाई में सहायता करते हैं।
- बच्चे आँगन में पूककलम (फूलों की रंगोली) बनाते हैं। ☀
- बच्चे समुद्र-तट पर घूमने के लिए जाते हैं।

(ख) महाबली ने वामन से कौन-सा वरदान माँगा?

- ओणम के त्योहार में भाग लेने का
- तीन पग भूमि देने का
- अपनी प्रजा को सुखी-संपन्न देखने का
- अपनी प्रजा को मिलने के लिए धरती पर आने का ☀



(ग) तिरुवोणम के दिन आँगन में बनाई गई कलाकृतियाँ महाबली के चले जाने के बाद ही हटा दी जाती हैं क्योंकि -

- महाबली की पूजा केवल तीन दिन ही होती है।
- तीसरे दिन महाबली पाताल लोक लौट जाते हैं। 🌟
- उनका राज्य पाताल, पृथ्वी और स्वर्ग तीनों जगह फैला हुआ था।
- कलाकृतियों का सौंदर्य तीन दिन से अधिक नहीं रहता।

2. स्तंभ 'क' का स्तंभ 'ख' से मिलान कीजिए -

स्तंभ 'क'

पूककलम

द्रोण-पुष्प

तलपंतुकली

किलिंतट्टुकली

कैकोट्टिकलि

त्रिविक्रम

स्तंभ 'ख'

इस खेल में नारियल के पत्तों से बनी गेंद जिसे स्थानीय भाषा में पंथु कहा जाता है, एक दल के खिलाड़ियों द्वारा अपने सिर के ऊपर से फेंकी जाती है और दूसरे दल के खिलाड़ी उसे लपककर पकड़ते हैं।

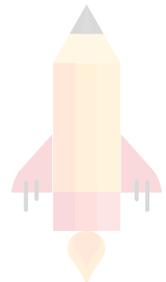
फूल-पत्तियों तथा तरह-तरह के सूखे रंगों से भूमि पर बनाई गई रंगोली। इसे अल्पना आदि नामों से भी जाना जाता है।

इसे गोफा, गुमा जैसे नामों से भी जाना जाता है। यह औषधीय पुष्प वर्षा ऋतु में फलता-फूलता है। इसके पौधे की गाँठों पर सफेद फूलों के गुच्छे होते हैं।

यह तिरुवतिराकली नृत्य रूप का दूसरा नाम है। इस नृत्य में हाथ द्वारा ताली बजाकर ताल देने का विशेष महत्व है। यह नृत्य मुख्यतः महिलाओं द्वारा किया जाता है।

इस खेल में भूमि पर आयताकार आकृति बनाई जाती है जिसे लंबाई में पंक्ति खींचकर पाँच भागों में विभाजित किया जाता है। सभी खिलाड़ियों में से एक खिलाड़ी को 'किली' की भूमिका दी जाती है।

तीनों लोकों को जीतने वाले (विष्णु भगवान)



3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी लेखन-पुस्तिका में लिखिए—

(क) ओणम के भोज में कौन-कौन से भोज्य पदार्थ बनाए जाते हैं? किसी एक भोज्य पदार्थ के बारे में विस्तार से लिखिए।

उत्तर: ओणम के भोज में चावल, सब्जियाँ, खीर, पापड़ और कई प्रकार के स्वादिष्ट फल बनाए जाते हैं। खीर के बारे में: खीर चावल, दूध और चीनी से बनाई जाती है। इसमें कभी-कभी सूखे मेवे भी डाले जाते हैं। खीर मीठा और स्वादिष्ट पकवान होता है जिसे त्योहारों पर विशेष रूप से बनाया जाता है।

(ख) आपके राज्य में कौन-से त्योहार विशेष रूप से मनाए जाते हैं? उन त्योहारों की कौन-सी बातें ओणम से मिलती-जुलती हैं?

उत्तर: मेरे राज्य में दीपावली, होली और रक्षाबंधन जैसे त्योहार विशेष रूप से मनाए जाते हैं। इन त्योहारों और ओणम में यह समानता है कि सभी त्योहारों पर लोग अपने घरों को सजाते हैं, अच्छे भोजन बनाते हैं और परिवार के साथ खुशियाँ मनाते हैं।

(ग) ओणम में गाए जाने वाले लोकगीत में महाबली के शासन की किन विशेषताओं का उल्लेख है?

उत्तर: लोकगीत में बताया गया है कि महाबली के शासन में सभी लोग समान थे। कहीं भी दुख, दरिद्रता, डाका, धोखा या छल-कपट नहीं था। हर जगह प्रेम और प्रसन्नता का वातावरण था।

(घ) पाठ में आए किस उल्लेख के आधार पर कहा जा सकता है कि महाबली अपनी प्रजा से बहुत ही प्रेम करते थे?

उत्तर: महाबली ने भगवान विष्णु से वरदान माँगा कि वे वर्ष में एक बार अपनी प्रजा से मिलने के लिए धरती पर आ सकें। यह उनकी अपनी प्रजा के प्रति गहरे प्रेम को दिखाता है।

(ङ) पाठ में आई किन बातों से पता चलता है कि प्रकृति भी ओणम के स्वागत की तैयारी कर रही है?

उत्तर: पाठ में बताया गया है कि वर्षा के बाद आकाश साफ हो जाता है, ठंडी हवाएँ चलती हैं, सूरज की किरणें चमकती हैं, समुद्र और नदी का पानी स्वच्छ हो जाता है। पक्षी चहचहाते हैं और तितलियाँ फूलों पर मँडराती हैं। ये सब बातें दिखाती हैं कि प्रकृति भी ओणम के स्वागत की तैयारी कर रही है।



मधुर स्मृतियाँ

1. अपने घर के बड़ों से बातचीत करके पता लगाइए कि वे अपने जीवन के बीते हुए किन-किन अवसरों को याद करके प्रसन्न होते हैं। उन बातों को अपनी लेखन-पुस्तिका में लिखिए।

उत्तर: मेरे घर के बड़े लोग अपने बचपन की खेल-कूद की बातें, पुराने त्योहारों की धूमधाम और परिवार के साथ बिताए गए समय को याद करके प्रसन्न होते हैं।

2. आपके घर के सदस्य आपकी किन बातों से प्रसन्न होते हैं? वे आपकी प्रसन्नता के लिए क्या-क्या प्रयास करते हैं? आप उनके प्रति आभार कैसे व्यक्त करते हैं?

उत्तर: मेरे घर के सदस्य मेरी पढ़ाई में सफलता, अच्छे व्यवहार और मेरी कोशिशों से प्रसन्न होते हैं। वे मेरी प्रसन्नता के लिए मुझे घुमाने ले जाते हैं, स्वादिष्ट खाना बनाते हैं और मुझे प्यार करते हैं।

मैं उनके प्रति आभार प्रकट करने के लिए उनका कहना मानता/मानती हूँ, उनका सम्मान करता/करती हूँ और उन्हें धन्यवाद देता/देती हूँ।



देश हमारा एक, रंग इसके अनेक

1. पाठ में आई उस पंक्ति को चिह्नित करके लिखिए जिससे यह पता चलता है कि ओणम खेतों की उपज से जुड़ा त्योहार है।

उत्तर: "किसान उपज काट चुके हैं और खलिहानों में धान भरे हैं।"

2. कक्षा में पाँच-पाँच विद्यार्थियों का समूह बनाकर आपस में चर्चा कीजिए और पता लगाइए कि हमारे देश में खेतों की उपज से जुड़े और कौन-कौन से त्योहार हैं। ऐसे त्योहारों की सूची भी तैयार कीजिए।

उत्तर: खेतों की उपज से जुड़े त्योहारों की सूची इस प्रकार है:

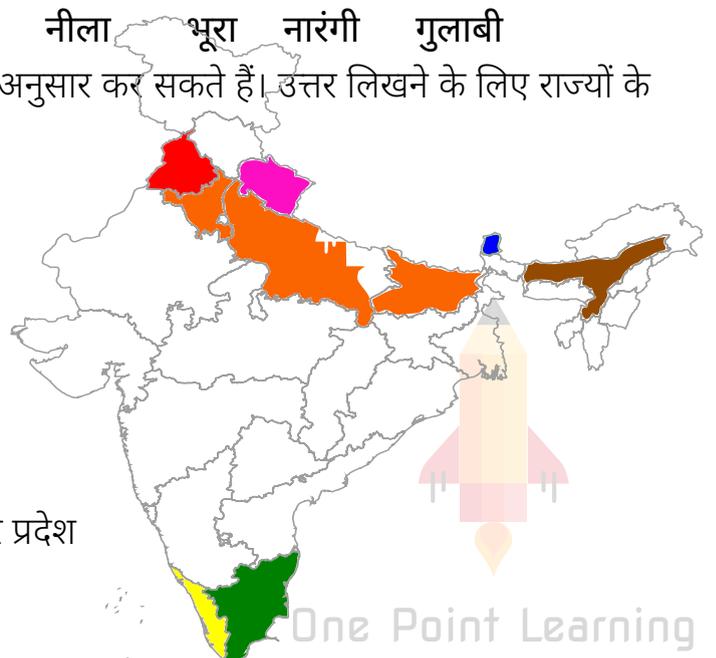
- पोंगल
- लोहड़ी
- बिहू
- मकर संक्रांति
- ओणम
- बैसाखी
- फुलदेई

3. उपज से जुड़े निम्नलिखित त्योहार भारत के किन-किन राज्यों में मनाए जाते हैं? उनके नीचे दिए गए रंगों के द्वारा उन्हें मानचित्र में दर्शाइए—

ओणम लोहड़ी पोंगल साक्केन बिहू छठ फूलदेई
पीला लाल हरा नीला भूरा नारंगी गुलाबी

उत्तर: यहाँ रंगों का उल्लेख आप अपने मानचित्र के अनुसार कर सकते हैं। उत्तर लिखने के लिए राज्यों के नाम दिए जा रहे हैं।

त्योहार	राज्य
• ओणम	केरल
• लोहड़ी	पंजाब
• पोंगल	तमिलनाडु
• साक्केन	सिक्किम
• बिहू	असम
• छठ	बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश
• फुलदेई	उत्तराखंड



One Point Learning



शब्दों का चमत्कार

1. पाठ में आए कुछ वाक्यों के अंश नीचे लिखे हैं, इन्हें ध्यान से पढ़िए—

- हल्की-हल्की बयार के झोंके
- ऊँचे-ऊँचे दीपदान
- नन्हे-नन्हे सफेद द्रोण-पुष्प

इन वाक्यांशों में 'हल्की', 'ऊँचे' तथा 'नन्हे' शब्दों का दो बार प्रयोग किया गया है। इन शब्दों का एक बार प्रयोग करके पढ़ते हैं—

- हल्की बयार के झोंके
- ऊँचे दीपदान
- नन्हे सफेद द्रोण-पुष्प

अपने सहपाठियों से चर्चा कीजिए कि विशेषता बताने वाले शब्दों का एक साथ दो बार प्रयोग करने से वाक्य में किस प्रकार का विशेष प्रभाव उत्पन्न होता है। आप भी ऐसे कुछ वाक्य लिखिए।

उत्तर: विशेषता बताने वाले शब्दों को दो बार प्रयोग करने से वाक्य में मधुरता, लय और गहराई का अनुभव होता है। इससे भावनाएँ अधिक सुंदर और प्रभावशाली बनती हैं।

कुछ उदाहरण वाक्य:

- मीठी-मीठी बूँदें बरसने लगीं।
- सुनहरी-सुनहरी धूप फैल गई।
- मीठे-मीठे गीत गूँजने लगे।
- चुपचाप-चुपचाप हवा बहने लगी।
- सुंदर-सुंदर फूल खिले।

2. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों पर ध्यान दीजिए—

(क) पूर्व दिशा में सह्य पर्वत के पीछे से जब सूरज निकलता है तो पश्चिमी तट पर समुद्र की लहरें चमकने लगती हैं।

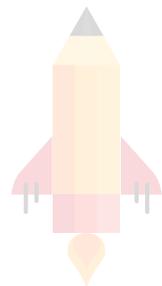
(ख) रंग-बिरंगी तितलियाँ फूलों पर मँडराती दिखाई देती हैं।

(ग) वर्षा के बादल छँटते ही ठंडी-ठंडी तेज हवाएँ थम जाती हैं।

उपर्युक्त वाक्यों में 'चमकना', 'मँडराना' और 'थमना' शब्दों का प्रयोग करते हुए अपनी लेखन-पुस्तिका में वाक्य बनाइए।

उत्तर: 'चमकना', 'मँडराना' और 'थमना' शब्दों से वाक्य

- समुद्र की लहरें सूर्य की रोशनी में चमकने लगीं।
- रंग-बिरंगी तितलियाँ बगीचे के फूलों पर मँडराने लगीं।
- बारिश के बाद ठंडी हवाएँ धीरे-धीरे थम गईं।



3. इस पाठ में आए विशेषता बताने वाले शब्दों (विशेषण) को छाँटकर लिखिए और उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए—

जैसे - सफेद द्रोण-पुष्प

- बच्चे मूर्तियों को सफेद द्रोण-पुष्पों से सजा रहे थे।

उत्तर:

विशेषण	वाक्य
सफेद	आँगन में सफेद द्रोण-पुष्प बिखरे थे।
हल्की	हल्की बयार बच्चों को बहुत भायी।
ऊँचे	मंदिर में ऊँचे दीपदान सजे थे।
नन्हे	नन्हे बच्चों ने फूल बटोरने शुरू किए।
रंग-बिरंगी	रंग-बिरंगी तितलियाँ बहुत सुंदर दिख रही थीं।
ठंडी	ठंडी हवाएँ बहुत सुहानी लगीं।

4. केरल की मुख्य भाषा मलयालम है। इस शब्द को उलट कर पढ़ें तो भी यह मलयालम ही पढ़ा जाएगा। ऐसे और भी शब्द हैं जो आगे-पीछे से पढ़ने में एक समान रहते हैं, जैसे - सरस और जहाज। आप भी पाँच-पाँच टोलियों में ऐसे और शब्द खोजिए।

उत्तर: यहाँ कुछ और ऐसे शब्द हैं:

- कडक
- रबर
- नयन
- मदम
- कसक



त्योहार और सामूहिकता

1. इस पाठ को पुनः पढ़िए और उन पंक्तियों को चिह्नित कीजिए जिनसे यह भाव निकलता है कि त्योहार मिल-जुलकर मनाए जाते हैं।

उत्तर: त्योहार मिल-जुलकर मनाए जाने की पंक्तियाँ

- "प्रत्येक वर्ग के लोग अपनी चिंताओं और दुख-दर्द को भूलकर बहुत धूम-धाम से इस पर्व को मनाते हैं।"
- "हर कोई मिल-जुलकर ओणम का त्योहार मनाता है।"
- "सभी लोग ओणम मनाने की तैयारियों में जुट जाते हैं।"

2. आपके विद्यालय में वन महोत्सव का आयोजन किया जाना है। इस आयोजन का संपूर्ण उत्तरदायित्व आपकी कक्षा को दिया गया है।

(क) सभी सहपाठी मिलकर योजना बनाइए कि 'वन महोत्सव' के आयोजन हेतु क्या-क्या किया जाएगा।

उत्तर: वन महोत्सव आयोजन योजना:

- सभी सहपाठी मिलकर स्कूल में पौधरोपण अभियान चलाएँगे।
- छोटे-छोटे पौधों को स्कूल परिसर में लगाया जाएगा।



- पौधों की देखभाल के लिए जिम्मेदारी तय की जाएगी।
- पोस्टर बनाकर वृक्षारोपण का महत्व बताया जाएगा।
- भाषण, कविता पाठ और नाटक का आयोजन किया जाएगा।
- शिक्षक व अभिभावकों को आमंत्रित किया जाएगा।

(ख) वन महोत्सव में अभिभावकों को आमंत्रित करने के लिए आमंत्रण पत्र तैयार कीजिए।

उत्तर: आमंत्रण पत्र

आदरणीय अभिभावकगण,

सादर आमंत्रण!

हमारे विद्यालय में "वन महोत्सव" का आयोजन दिनांक ___ को प्रातः ___ बजे किया जा रहा है।

इस अवसर पर वृक्षारोपण, नाटक, कविता पाठ व अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

आप सभी सपरिवार आमंत्रित हैं।

आइए, वृक्षारोपण कर प्रकृति को संवारने में अपना योगदान दें।

स्थान: _____

दिनांक: _____

समय: _____

सादर -

कक्षा ___ के विद्यार्थी

3. दिए गए स्थान पर पूवकलम (रंगोली) बनाइए—

उत्तर:



4. आप अपने विद्यालय में आयोजित उत्सवों में किस प्रकार योगदान देते हैं?

उत्तर: विद्यालय में उत्सवों में योगदान:

- मैं विद्यालय के उत्सवों में भाषण, कविता पाठ, नाटक और नृत्य में भाग लेता/लेती हूँ।
- सजावट, पोस्टर बनाने, अतिथियों का स्वागत करने में सहायता करता/करती हूँ।
- उत्सव के दौरान साफ-सफाई और व्यवस्था बनाए रखने में भी योगदान देता/देती हूँ।





यह भी जानिए

1. नीचे दिए गए बिंदुओं के आधार पर केरल के बारे में अध्यापकों और पुस्तकालय की सहायता से कुछ और जानकारी जुटाइए।

- शास्त्रीय नृत्य : कथकली, मोहिनीअट्टम
- भाषा : मलयालम
- परिधान/वस्त्र : पुरुष - मुंडू; महिलाएँ - कसवु साड़ी
- मुख्य फसल : धान (चावल), नारियल, रबर
- राजधानी : तिरुवनंतपुरम
- त्योहार : ओणम, विषु, त्रिशूर पूरम
- सीमांत प्रदेश : कर्नाटक, तमिलनाडु और लक्षद्वीप समुद्र

2. 'वामन' शब्द का प्रयोग सामान्यतः छोटे कद के व्यक्तियों के लिए किया जाता है। महाबली ने संभवतः विष्णु के वामन रूप को देखते हुए ही उन्हें तीन पग भूमि दान देने का निर्णय किया होगा। हम भी किसी के शारीरिक रंग-रूप को देखकर उसकी क्षमता के बारे में विशेष धारणा बना लेते हैं जो हमेशा सही नहीं होती।

कुछ ऐसे व्यक्तियों के बारे में पता कीजिए और उनकी एक सूची बनाइए जिन्होंने अपनी शारीरिक अक्षमताओं को पीछे छोड़ते हुए एक बड़ी उपलब्धि प्राप्त की।

उत्तर: शारीरिक अक्षमता के बावजूद बड़ी उपलब्धि पाने वाले व्यक्तियों की सूची:

- स्टीफन हॉकिंग - प्रसिद्ध भौतिकशास्त्री (ALS रोग से ग्रसित)
- हेलेन केलर - दृष्टिहीन और श्रवण बाधित होते हुए भी शिक्षा और समाजसेवा में योगदान।
- दीपा मलिक - पैरा ओलंपिक में पदक विजेता।
- सुधा चंद्रन - कृत्रिम पैर के सहारे प्रसिद्ध नृत्यांगना।
- निक वुजिकिक - बिना हाथ-पैर के मोटिवेशनल स्पीकर।

